राजस्थान हाईकोट ने टेंडर प्रक्रिया से जुड़े नियम 75ए को वैध करार दिया

कम बोली लगाकर टेंडर लेने पर एक्स्ट्रा सिक्योरिटी देनी होगी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोट के जस्टिस मुन्नूरी लक्ष्मण और जस्टिस बिपिन गुप्ता की डिवीजन बेंच ने टेंडर प्रक्रिया से जुड़े नियम 75ए को वैध करार दिया है, जिसके तहत जो ठेकेदार, सरकार द्वारा तय की गई कीमत से 15 प्रतिशत या उससे भी काफी कम रेट पर टेंडर हासिल करते हैं, उन्हें अतिरिक्त जमानत राशि (सिक्योरिटी) देनी होगी।

राज्य के 11 ठेकेदारों ने अलग-अलग याचिकाओं में इस नियम को कोर्ट में चुनौती दी थी। इनमें जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर, सिरोही और प्रतापगढ़ के ठेकेदार शामिल थे। सभी ने जल संसाधन विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए बोली लगाई थी और सफल भी हुए थे, लेकिन जब विभाग ने उनसे अतिरिक्त सिक्योरिटी जमा करने को कहा तो उन्होंने 22 अक्टूबर 2021 की उस सरकारी अधिसूचना को ही चुनौती दे दी, जिसमें यह नया नियम 75-ए जोड़ा गया था। ठेकेदारों की तरफ से वकीलों ने कहा कि यह नियम मनमाना है। उनका तर्क था कि पहले से ही कानून में कई सुरक्षा उपाय मौजूद हैं, जो सरकारी विभागों के हितों की रक्षा करते हैं। फिर इस अतिरिक्त सिक्योरिटी की क्या जरूरत है। ठेकेदारों ने आर्थिक कठिनाई का भी तर्क दिया कि एक ही काम के लिए दो तरह की सिक्योरिटी जमा करना उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। ठेकेदारों ने यह भी कहा कि आजकल प्रतिस्पर्धा के दौर में हर व्यक्ति कम रेट में बोली लगाने की कोशिश करता है, ताकि उसे काम मिल सके और वह अपनी आजीविका कमा सके। कम रेट लगाने का मतलब यह नहीं कि ठेकेदार काम छोडक़र भाग जाएगा। उनका कहना था कि सरकार के पास कोई डेटा नहीं है कि कितने ठेकेदार कम रेट में काम लेने के बाद काम अधूरा छोड़ गए।

कोर्ट ने कहा कि राजस्थान ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट एक्ट 2012 की धारा 55 राज्य सरकार को नियम बनाने का अधिकार देती है। इस धारा के तहत सरकार बोली सुरक्षा, प्रदर्शन सुरक्षा और एठीमेंट प्रबंधन से संबंधित नियम बना सकती है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जब कोई ठेकेदार तय रेट से 15 प्रतिशत कम रेट में काम करने की बोली लगाता है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि वह इतने कम पैसे में काम कैसे पूरा करेगा। ऐसे में दो खतरे हैं - या तो वह काम की गुणवत्ता से समझौता करेगा या फिर काम बीच में छोड़ देगा। इसी स्थिति से बचने के लिए और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सिक्योरिटी की जरूरत है। यह सिक्योरिटी केवल उन्हीं ठेकेदारों से ली जाएगी जो 15 प्रतिशत से ज्यादा कम रेट लगाएंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह एक्स्ट्रा सिक्योरिटी हमेशा के लिए नहीं ली जा रही है। जैसे ही ठेकेदार संतोषजनक तरीके से काम पूरा कर देगा, यह राशि उसे वापस कर दी जाएगी। यह केवल यह सुनिश्चित करने के लिए है कि न तो काम की गुणवत्ता से समझौता हो और न ही ठेकेदार काम अधूरा छोड़े। कोर्ट ने नियम 75-ए को पूरी तरह वैध और संवैधानिक माना। सभी 11 ठेकेदारों की याचिकाएं खारिज कर दी गई।

नीलामी चबूतरे पर कब्ज़ा होने से किसान परेशान

उपज खुले में डालने को मजबूर किसानों ने प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। कृषि उपज मंडी भीलवाड़ा में व्यापारियों का नीलामी चबूतरे पर कब्ज़ा होने से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपज खुले में डालने को मजबूर किसानों ने सोमवार को प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया।

■ नीलामी चबूतरों को अवैध रूप से व्यापारियों ने स्थायी ठिकाना बनाया

छापरी निवासी किसान महेंद्र जाट ने आरोप लगाते हुए बताया कि कृषि मंडी में किसानों की सुविधा के लिए बने नीलामी चबूतरों को अवैध रूप से व्यापारियों ने अपना स्थायी ठिकाना बन लिया है। व्यापारियों ने इन चबूतरों पर अपना सामान रख लिया है, जिससे किसानों के लिए कोई जगह नहीं बची है। ऐसी स्थिति में, जब किसान अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचते हैं, तो उन्हें मजबूरन सड़क किनारे या खुले स्थानों पर अपना माल डालना पड़ता है। खुले में उपज डालने से धूल-मिट्टी और ट्रैफिक के कारण अनाज खराब होने का खतरा रहता है, वहीं जगह की कमी के चलते नीलामी प्रक्रिया में भी देरी होती है। कई बार नीलामी देर रात तक खिंच जाती है, जिससे किसानों को अतिरिक्त खर्च और असुविधा उठानी पड़ती है। किसान ओमप्रकाश जाट ने बताया कि कुछ दिन पहले अचानक हुई बारिश के कारण कई किसानों की उपज गीली हो गई थी। इसके कारण अनाज की गुणवत्ता खराब हो गई और किसानों को बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाया। किसानों ने इस स्थिति के लिए मंडी प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है और मांग की है कि मंडी में व्यवस्था सुधारी जाए।

खेतड़ी में भ्रूण लिंग परीक्षण करते एक आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

50 हजार रुपये लेकर आरोपी भ्रूण लिंग परीक्षण का काम करते थे

खेतड़ी, (निसं)। हरियाणा-राजस्थान की चिकित्सा विभाग की पीसीपीएनडीटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए खेतड़ी क्षेत्र में दबिश देकर लिंग परीक्षण की जांच करने के

■ पीसीपीएनडीटी की टीम ने भ्रूण लिंग परीक्षण के काम आने वाली मशीन जब्त की

मामले में एक जने को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार हो गया। इस दौरान पीसीपीएनडीटी की टीम ने लिंग परीक्षण के काम आने वाली मशीन को भी जब्त किया है तथा गिरफ्तार आरोपियों को खेतड़ीनगर थाने में लाकर राजस्थान टीम को सौंपा गया है।

हरियाणा-राजस्थान की चिकित्सा विभाग की पीसीपीएनडीटी टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

नारनौल पीसीपीएनडीटी टीम के डॉ. विजय कुमार ने बताया कि पिछले कई दिनों से गर्भवती महिलाओं का सीमावर्ती क्षेत्र में ले जाकर अल्ट्रासाउंड द्वारा भ्रूण लिंग जांच करने की सूचनाएं मिल रही थी, जिस पर नारनौल की टीम की ओर से संयुक्त रुप से दबिश देने का फैसला लिया गया। इस दौरान पीसीपीएनडीटी टीम ने साढ़े पांच माह की गर्भवती महिला को कार्रवाई के लिए डमी ग्राहक तैयार कर लिंग परीक्षण करवाने वाले के साथ जाने का सौदा तय किया। इस दौरान उसने महेंद्रगढ़ निवासी ने 50 हजार रुपए की डिमांड की।

डॉ. विजय कुमार ने बताया कि पीसीपीएनडीटी टीम को सूचना सही साबित होने पर नकली ग्राहक महिला को 50 हजार रुपए देकर उसके पास भेजा और अलग-अलग गाड़ियों में सवार होकर उसके अनुसार बताये स्थान बीलवा चौराहे पर पहुंच गए। इस दौरान वह एक सफेद कलर की बोलेरो लेकर वहां पहुंचा और महिला को गाड़ी में बैठा कर बीलवा चौराहे पर घुमाता रहा। इस दौरान नारनौल की टीम से संपर्क कर कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी की गई तो कुछ ही देर में लिंग परीक्षण करने वाला अवधेश पांडे महिला को लेकर बडाऊ में एक मकान में ले गया, जिसका पीसीपीएनडीटी टीम लगातार पीछा कर रही थी। इस दौरान वह अपनी गाड़ी से उनको लेकर खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के बडाऊ के एक मकान पर पहुंचा। इस दौरान पीठ पर थैला लटका कर एक व्यक्ति अल्ट्रासाउंड की मशीन लेकर आया और कमरे में ले जाकर महिला की पोर्टेबल अल्ट्रासाऊंड मशीन से जांच कर लड़की होना बताया। इसके बाद एजेंट पचेरीकलां कलां क्षेत्र सत्येन्द्र द्वारा अपने साथ लाई गई महिला से रूपए लिए गए। इस दौरान पीसीपीएनडीटी टीम द्वारा भेजी गई महिला ने इशारा किया तो दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर अंजाम देने का प्रयास किया तो एजेंट अपनी एससूवी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

इस दौरान टीम ने अल्ट्रासाउंड करने वाले व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम अवधेश पांडे पुत्र कुमार शंकर पांडे निवासी खेतड़ी होना बताया। पीसीपीएनडीटी की टीम ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पैंट की जेब में 27 हजार रुपए पाए गए जो पीसीपीएनडीटी टीम द्वारा गर्भवती महिला को दिए गए थे।

नोडल अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि अवधेश पांडे पर दो मामले नारनौल में तथा पांच मामले राजस्थान में दर्ज है तथा उसके पास मिली पोर्टेबल मशीन का पंजीकरण होना भी नहीं पाया गया। इसके अलावा अवधेश पांडे पीसीपीएनडीटी एक्ट के अनुसार सोनोग्राफी करने की शैक्षिणक योग्यता भी नहीं है। जिस पर टीम ने अवधेश पांडेको गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान कार्रवाई में नारनौल पीसीपीएनडीटी सैल के डॉ विजय, झुंझुनूं आरसीएचओ डॉ दयानंद सिंह, अनिश सोनी, प्रदीप कुमार, एचसी अनिल कुमार, रितेश कुमार, पीसीपीएनडीटी कार्डिनेटर आनंद कुमार, दिनेश कुमार आदि शामिल थे।

सर्दी बढ़ी

जोधपुर, (कासं)। शहर में अब सर्दी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। यहां सुबह और रात के समय ठंड का असर देखने को मिल रहा है। शहर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक आ पहुंचा है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री के आसपास चल रहा है।

कलेक्शन एजेंट से नकदी का बैग लूटने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

सरवाड़, (निसं)। पुलिस ने झपट्टामारी की घटना का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है। पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर

■ पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार जब्त की, दो आरोपियों को बापर्दा रखा

रही है वहीं पुलिस ने इनमे से दो आरोपियों को बापर्दा रखा है।

सरवाड़ थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी गिरिराज ने बताया कि गत 11 अक्टूबर को सांकरिया थाना केकड़ी सदर निवासी निर्भय सिंह (50) पुत्र गणपत सिंह राजपूत ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे केकड़ी में ओसवाल मशीनरी स्टोर की दुकान पर काम करते हैं। वहीं सरवाड़ क्षेत्र के विभिन्न गांवों से दुकान का कलेक्शन लेकर वे बाइक पर वापस केकड़ी लौट रहे थे। नोबल स्कूल के पास पीछे से आ रहे एक कार में सवार तीन बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवाई और कार से उतरकर बदमाशों ने निर्भय सिंह के साथ छीनाझपटी शुरू कर दी तथा उसके पास रखा कलेक्शन का बैग जिसमें एक लाख रूपए की नकदी थी छीन लिया। साथ ही वे उसकी बाइक की चाबी व मोबाइल भी ले गए। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश अपनी कार में बैठकर फरार हो गए।

सरवाड़ पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज तकनीकी व वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर गहन जांच की तथा आसूचना संकलित कर कचनारिया थाना दूदू जिला जयपुर निवासी निशार खान (20) पुत्र मुस्ताक खान बिहारीपुरा थाना मौजमाबाद जिला जयपुर निवासी टिंकू चौधरी (28) पुत्र रामजीलाल जाट एवं सरवर थाना बोराड़ा जिला अजमेर निवासी धनराज गुर्जर (22) पुत्र शैतान गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजीविका मिशन ब्लॉक प्रभारी व सहयोगी रिश्वत लेते गिरफ्तार

चिड़ावा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने चिड़ावा ब्लॉक में सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजीविका मिशन की ब्लॉक प्रभारी रेणुका और उनके सहयोगी धर्मेंद्र को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। दोनों से 20 हजार रुपए की नकद रिश्वत बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने एक आशा सहयोगिनी से भुगतान जारी करने के एवज में कुल 25 हजार रुपए की मांग की थी। बताया जा रहा है कि संबंधित महिला का पिछले नौ महीनों से भुगतान अटका हुआ था। शिकायत की जांच के बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही सहयोगी धर्मेंद्र ने 20 हजार रुपए की रिश्वत ली, मौके पर ही उसे दबोच लिया गया। इसके बाद प्रभारी रेणुका को भी हिरासत में लिया गया।

राजीविका मिशन की ब्लॉक प्रभारी रेणुका और सहयोगी धर्मेंद्र।

■ आशा सहयोगिनी से भुगतान जारी करने के एवज में 25 हजार रुपए की मांग की थी

इस कार्रवाई को के गोविंद गुप्ता व स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन तथा राजेश सिंह के सुपरविजन में टीम के शब्बीर खान ने अंजाम दिया। एसीबी टीम ने मौके से रिश्वत राशि बरामद कर आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। अब पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर रही है कि ब्लॉक स्तर पर रिश्वतखोरी का नेटवर्क और कहां तक फैला हुआ है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है और ईमानदार कर्मचारियों को राहत की उम्मीद जगी है।

ट्रेन में महिला का मोबाइल चुराने वाला गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। चित्तौड़गढ़ जीआरपी पुलिस ने उदयपुर-रतलाम एक्सप्रेस ट्रेन में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 15 हजार रुपए बताई जा रही है।

जीआरपी थानाधिकारी अनिल देवल के अनुसार मामला दो सितंबर का है। रतलाम हाल बड़गांव, उदयपुर निवासी प्रिया (25) पत्नी जितेंद्र पुरी गोस्वामी उदयपुर-रतलाम एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रही थी। देर रात जब ट्रेन चित्तौड़गढ़ और निंबाहेडा के बीच पहुंची तो प्रिया की नींद खुली और उन्होंने देखा कि सीट पर रखा बैग गायब है। बैग में करीब एक हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन रखा हुआ था। घटना की शिकायत पीड़िता ने रतलाम जीआरपी थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद जांच चित्तौड़गढ़ जीआरपी को ट्रांसफर की गई। जांच का जिम्मा हेड कांस्टेबल रुद्रप्रताप सिंह को सौंपा गया, जिन्होंने विशेष टीम गठित कर मामले की तहकीकात शुरू की।

पुलिस टीम ने मुखबिरों की सहायता ली और रेलवे स्टेशनों व ट्रेनों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही मोबाइल ट्रेसिंग से आरोपी का लोकेशन भीलवाड़ा जिले में मिला, जिसके बाद टीम सक्रिय हुई। सूचना पर पुलिस ने भीलवाड़ा के बिजौलिया निवासी सोहन उर्फ सोनू (36) पुत्र चतरा बंजारा को डिटेन किया। पूछताछ में उसने ट्रेन में चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी मजदूरी का काम करता है और अवसर मिलने पर चोरी की वारदात को अंजाम दे बैठा। जीआरपी ने आरोपी के कब्जे से चोरी हुआ मोबाइल फोन बरामद कर लिया है।

सैन्य ट्रक से युवक की मौत

जोधपुर,(कासं)। शहर के निकटवर्ती बंबोर हाइवे पर बाइक सवार युवक सैन्य ट्रक की चपेट में आ गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से सेना ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई। घटना रविवार दोपहर की है। पुलिस ने आज शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया। झंवर थाने के एएसआई भीमसिंह ने बताया कि शेरगढ़ थानान्तर्गत रणजीत नगर रामनगर निवासी 27 साल का दुर्गाराम पुत्र मानाराम मेघवाल अपनी बाइक लेकर बंबोर हाईवे से निकल रहा था। संभवतः उसने अचानक से गाड़ी का टर्न ले लिया, जिससे पीछे चल रहा सेना का ट्रक उसमें घुस गया और वह चपेट में आ गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर उसे एमडीएम अस्पताल लाया गया।

उप कारागृह बालोतरा का निरीक्षण किया

बालोतरा, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार उप करागृह बालोतरा का सोमवार को सिद्धार्थ दीप, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) बालोतरा के निर्देशन में टीम विजिटर्स द्वारा औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जेल में कुल 74 बंदी निरूद्ध पाए गए जो कारागृह की क्षमता 55 से अधिक है। अधिक संख्या एवं सर्दी के मौसम को देखते हुए मूलभूत आवश्यकताओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए जेल प्रशासन को निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, भोजन, पेयजन, शौचालयों की स्थिति आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया जो संतोषजनक पाई गई। जेल निरीक्षण के दौरान सचिव सिद्धार्थ दीप द्वारा कारागृह में निरूद्ध बंदियों से पृथक-पृथक संवाद किया गया तथा उनके प्रकरणों की नियमित पैरवी के लिए, निःशुल्क अधिवक्ता स्कीम के बारे में जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कोई भी बंदी 18 साल की उम्र से कम का नहीं पाया गया।

बूंदी महोत्सव : विदेशी सैलानियों ने चाक पर हाथ आजमाए

पोटरी विलेज ठीकरदा में विदेशी पावणों का तिलक-माला से स्वागत किया गया

स्थानीय कुम्भकार हनुमान प्रजापत ने विदेशी पर्यटकों को चाक पर मिट्टी को आकार देने के गुर सिखाए।

विदेशी सैलानियों को मशक बैंड की धुन और कच्छी घोड़ी के नृत्य के साथ गांव का भ्रमण कराया।

बूंदी, (निसं)। बूंदी महोत्सव के तीसरे दिन सोमवार को विदेशी सैलानियों का दल जब पोटरी विलेज ठीकरदा पहुंचा, तो वे यहां की ठाामीण संस्कृति और अपनेपन को देखकर अभिभूत हो गए। विलेज सफारी के तहत हुए इस दौरे का उद्देश्य उन्हें राजस्थान की जड़ों और भारत की प्राचीन सभ्यता से रूबरू कराना था। ठीकरदा की मिट्टी की महक, कच्चे मकानों की कलात्मक बनावट और प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ने विदेशी पावणों का मन मोह लिया।

■ ठीकरदा की मिट्टी की महक, कच्चे मकानों की कलात्मक बनावट और प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ने विदेशी पावणों का मन मोह लिया

विलेज सफारी को पर्यटन कार्यालय से मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रवि वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ठीकरदा गांव में प्रवेश करते ही सैलानियों का स्वागत अतिथि देवो भव: की परंपरा से गर्मजोशी के साथ किया गया। संग्रहालय सहायक जगदीश वर्मा की अगुवाई में ग्रामीण महिलाओं ने पर्यटकों के माथे पर तिलक लगाया और उन्हें पुष्प मालाएं पहनाई। इस आत्मीय स्वागत ने पर्यटकों और ग्रामीणों के बीच की भाषाई दूरी को पल भर में मिटा दिया। मशक बैंड की धुन और कच्छी घोड़ी के शानदार नृत्य के साथ उन्हें पूरे गांव का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के बाद सैलानी सीधे गांव के हुनर से रूबरू हुए।

स्थानीय कुम्भकार हनुमान प्रजापत ने विदेशी पर्यटकों को चाक पर मिट्टी को आकार देने के गुर सिखाए। उन्होंने फ्लॉवर पॉट, दीपक और मटकी बनाना सिखाया। यह कला देखकर अमेरिका के एडम खुद को रोक नहीं पाए और चाक पर हाथ आजमाने बैठ गए। फ्लॉवर पॉट बनाकर एडम खुशी से झूम उठे। अन्य पर्यटकों ने भी चाक पर दीपक बनाए और जमीन पर बैठकर पारंपरिक मांडणे बनाना भी सीखा। कार्यक्रम में बीकानेर से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया, जिसने महोत्सव के ग्रामीण अध्याय में चार चांद लगा दिए। पर्यटक गाइड संदीप शर्मा ने पूरे दौरे में सैलानियों को ग्रामीण सभ्यता की रोचक जानकारियां दी।